

प्रसाधारश

EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3--उपलंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 456]

नई दिल्ली, सोमवा<sup>र</sup>, विसम्बर 31, 1973/पौष 10, 1895

No. 456]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 31, 1973/PAUSA 10, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में एका जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

## ORDER

New Delhi, the 31st December 1973

S.O. 807(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 140/18A/IDRA/70, dated the 7th January 1970, read with the Order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 5587, dated 28th December, 1971, the management of the industrial undertaking known as Sri Ranga Vilas Ginning, Spinning and Weaving Mills Limited, Coimbatore, had been taken over by the Authorised Controller referred to therein for a period of four years upto and inclusive of the 6th January, 1974;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of the 6th January, 1975.

[No. F.28013/145/73-NTC] D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ć

## चौद्योगिक विकास मन्त्रालय

## म्रावेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1973

का॰ 807 (म्र).—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के म्रादेश सं॰ का॰ मा॰ 5587, तारीख 28 दिसम्बर, 1971 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व मौद्योगिक विकास, भ्रान्तरिक व्यापार भौर कंपनी कार्य मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं॰ का॰ भा॰ 140/18क/म्राईडी म्रारए/70 द्वाराश्री रंग विलास गिनिंग, स्पिनिंग एण्ड विविंग मिल्स लिमिटेड, कोयम्बटूर नामक भौद्योगिक उपक्रम का प्रथन्ध, उसमें निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 6 जनवरी, 1974 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, चार वर्ष की श्रवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रौधोगिक उपक्रम का प्रबन्ध एक वर्ष की श्रौर श्रवधि के लिए बना रहना चाहिए;

भ्रतः, श्रवः, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि ऊपर उल्लिखित द्वितीय श्रादेश 6 जनवरी, 1975 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रौर श्रवधि के लिए प्रभावित रहेगा।

> [सं॰ फा॰ 28013/145/73-एनटीसी] डी॰ के॰ सक्सेना, संयुक्त सचिव।